राजघाट बांध के बारे में प्रगति

5541. **श्री लक्ष्मीनारायण नायक :** क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश की सीमा पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाये जा रहे राजघाट बांध के निर्माण कार्य में क्या प्रगति हुई है और इस बांध के निर्माण में क्या प्रगति हुई है और इस बांध के निर्माण में विलम्ब के क्या कारण हैं ;

(ख) इस बांध के उत्तर प्रदेश के ललितपुर तथा झांसी जिलों में तथा मध्य प्रदेश के टीकमगढ़, गुना, शिवपुरी तथा दतिया जिलों में पृथक्-पृथक् कितने-कितने एकड़ भूमि में सिंचाई हो सकेगी ;

(ग) उक्त जिलों में कितनी लम्बी नहरों के लिए सर्वेक्षण किया गया है ; और

(घ) इसी प्रकार इनमें से प्रत्येक जिले को, पृथक्-पृथक् कितनी-कितनी बिजली सप्लाई करने का निर्णय किया गया है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) से (घ). अभी राजघाट बांध पर कार्य आरम्भ नहीं हुआ है।

राजघाट बांध परियोजना में मूलत: मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों के क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए बेतवा नदी पर राजघाट में एक बांध के निर्माण की परिकल्पना की गई थी। किन्तु मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्रियों ने कृषि और सिंचाई मंत्री के साथ 17-8-76 को हुई बैठक में यह फैसला किया कि विद्युत् उत्पादन भी राजघाट बांध परियोजना का एक अभिन्न अंग होना चाहिये और राजघाट बांध पर बिजली घर के निर्माण को शामिल करने के लिए परियोजना रिपोर्ट संशोधित की जानी चाहिये, परियोजना की लागत एवं उसके लाभों को दोनों राज्य सरकारों द्वारा बराबर भाग में बांटा जाएगा। अभी संशोधित रिपोर्ट को तयार किया जाना है तथा राज्य सरकारों द्वारा केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत किया जाना है।

इस परियोजना रिपोर्ट के तैयार किये जाने के पश्चात् ही मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सिंचित होने वाले क्षेत्र तथा उत्पादित की जाने वाली बिजली की मात्र एवं इन दोनों राज्यों के विभिन्न जिलों को सप्लाई की जाने वाली बिजली की मात्रा का ब्यौरा उपलब्ध हो सकेगा।

नहरों के विस्तृत सर्वेक्षण किये जा रहे हैं। सर्वेक्षण-कार्य पूरा होने पर ही नहरों की लम्बाई का पता लग सकेगा।

ए० एन० एम० प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के वेतनमान

5542. **श्री राम लाल राही :** क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जब तक नियुक्ति अधिकारी निदेशक था तब तक ए० एन० एम० प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के वेतनमान समान थे परन्तु जब से जिला अधिकारियों को नियुक्ति अधिकारी बना दिया गया है तब से जूनियर हाई स्कूलों और हाई स्कूलों के अध्यापकों के वेतन-मान अलग-अलग हो गये हैं जब कि काम और अर्हतायें एक जैसी हैं ; और

(ख) यदि हां, तो समान काम और समान अर्हताओं के आधार पर समान वेतन-मान कब से दिए जाने लगेंगे ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र): (क) और (ख). स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार, ए० एन० एम० की नियुक्तियां राज्य सरकारों द्वारा, विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए, उनके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन की जाती हैं।

उनके वेतनमान एक राज्य में दूसरे राज्य से भिन्न होते हैं। प्रशिक्षण लेते समय प्रशिक्षार्थी